

**भारत सरकार**  
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**लोक सभा**  
**अतारांकित प्रश्न संख्या : 3065**  
**दिनांक 07 अगस्त 2025**

**भारतीय ऊर्जा सप्ताह 2025**

3065. **डॉ. भोला सिंहः**

**श्री मनोज तिवारीः**

**श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशनः**

**श्री खण्डेन मुर्मुः**

**क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

- (क) क्या सरकार ने प्रधानमंत्री उच्चला योजना को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए भारतीय ऊर्जा सप्ताह (आईईडब्ल्यू 2025) के दौरान कलीन कुरिंग मंत्रिस्तरीय बैठक आयोजित की है;
- (ख) यदि हाँ, तो इसके प्रमुख परिणामों का व्यौरा क्या है;
- (ग) इसमें प्रदर्शित अंतर्राष्ट्रीय देश मंडपों और विषयगत अंचलों/क्षेत्रों की संख्या कितनी है, साथ ही उनका दायरा क्या है; और
- (घ) क्या प्रमुख सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों ने भारत को वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में अग्रणी बनाने की कार्यनीति के भाग के रूप में प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है?

**उत्तर**  
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री**  
**(श्री सुरेश गोपी)**

(क) और (ख) जी हाँ। भारत ऊर्जा सप्ताह 2025 (आईईडब्ल्यू 2025) के एक घटक के रूप में, भारत ने स्वच्छ भोजन पकाने की कला सम्बन्धी मंत्रिस्तरीय बैठक की मेजबानी की, जिसमें ब्राजील, तंजानिया, मलावी, सूडान और नेपाल जैसे देशों के वैश्विक नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं और विशेषज्ञों के साथ-साथ आईईए जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों और टोटल एनर्जीज जैसे निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने अपने विचारों का आदान-प्रदान किया और सभी के लिए ऊर्जा-न्याय और वहनीय ऊर्जा प्राप्त करने हेतु सहयोग पर विचार किया।

इस संदर्भ में, भारत की प्रधानमंत्री उच्चला योजना पर प्रकाश डाला गया, जो सभी के लिए स्वच्छ भोजन पकाने का ईंधन सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य, पर्यावरणीय संधारणीयता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पथर साबित हुई है क्योंकि इसने पारंपरिक भोजन पकाने के ईंधन जैसे जलाऊ-लकड़ी और गोबर के उपलों का स्थान ले लिया है। इस मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक में लक्षित राजसहायता, दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) द्वारा वितरण नेटवर्क के डिजिटलीकरण और स्वच्छ भोजन पकाने के लिए सांस्कृतिक बदलाव को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रव्यापी अभियानों के माध्यम से स्वच्छ भोजन पकाने की गैस तक सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने में भारत की उल्लेखनीय सफलता

पर प्रकाश डाला गया। इसने वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन और स्वच्छ भोजन पकाने के समाधानों में भारत के नेतृत्व को भी सुदृढ़ किया, और सभी के लिए स्वच्छ ऊर्जा सुनिश्चित करने हेतु गहन अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नींव रखी है।

(ग) आईईडब्ल्यू 2025 में 4 दिनों के दौरान 120 देशों के 80,000 से अधिक आगंतुकों और 700 प्रदर्शकों ने भाग लिया, जिनमें कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान, नीदरलैंड, नॉर्वे, रूस, अमेरिका और यूके सहित 9 देशीय मंडप शामिल थे। इस आयोजन में 9 विषयगत क्षेत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें से प्रत्येक ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित था:

1. हाइड्रोजन क्षेत्र - हाइड्रोजन ईंधन उत्पादन में अत्याधुनिक नवाचारों का प्रदर्शन।
2. जैव ईंधन क्षेत्र - बायोडीजल, बायोएथेनॉल, संपीड़ित बायोगैस और संधारणीय विमानन ईंधन में भारत की प्रगति को उजागर करना।
3. नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र - सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में नवाचारों को प्रदर्शित करना।
4. एलएनजी पारितंत्र - भारत की डाउनस्ट्रीम एलएनजी आपूर्ति श्रृंखला और पर्यावरण-अनुकूल ईंधन समाधानों पर ध्यान केंद्रित करना।
5. मेक इन इंडिया क्षेत्र - स्वदेशी ऊर्जा निर्माण क्षमताओं पर प्रकाश डालना।
6. नगर गैस डिस्ट्रीब्यूशन क्षेत्र - गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर भारत की तीव्र प्रगति पर ज़ोर देना।
7. पेट्रोरसायन क्षेत्र - पेट्रोरसायन तकनीकों और संधारणीय समाधानों में प्रगति को प्रदर्शित करना।
8. नवोन्मेषी क्षेत्र - ऊर्जा के क्षेत्र में उभरते स्टार्टअप और अग्रणी तकनीकों को प्रदर्शित करना।
9. डिजिटलीकरण क्षेत्र - ऊर्जा उत्पादन और वितरण को अनुकूलित करने में एआई, आईओटी और स्वचालन का प्रदर्शन करना।

इस कार्यक्रम में वेनेजुएला, कतर, यूके, तंजानिया, रूस, ब्राज़ील, नेपाल, सूडान, ओपेक आदि के मंत्री स्तरीय प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। हाइड्रोकार्बन व्यापार और अत्याधुनिक नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर अगली पीढ़ी के ऊर्जा समाधानों और भारत के तलछठी बेसिनों में अन्वेषण तक 15 से अधिक कार्यनीतिक साझेदारियों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

(घ) आईईडब्ल्यू 2025 के दौरान, प्रदर्शकों को अत्याधुनिक तकनीकों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया जो संधारणीय ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देती है, परिचालन दक्षता बढ़ाती है और ऊर्जा की पहुँच में सुधार करती है। भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों ने हाइड्रोजन से चलने वाली बसें, एटीएम-शैली की एलपीजी डिस्पेंसिंग मशीनें, गहरे समुद्र में सिमुलेशन गेम, स्वदेशी सॉलिड ऑक्साइड फ्यूल सेल सिस्टम, संधारणीय कृषि के लिए ई-ट्रैक्टर, और ज्वारीय तरंग ऊर्जा पहल जैसे नवाचारों का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित अन्य नवोन्मेषों में एआई-चालित लागत अनुकूलन उपकरण, दुपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए लागत-प्रभावी जैव ईंधन रूपांतरण किट, वास्तविक समय परिचालन निगरानी प्रणालियाँ, हाइड्रोजन बर्नर, फ्लेक्स-फ्यूल वाहन शामिल थे, जिन्होंने भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने में उभरती ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की परिवर्तनकारी क्षमता को उजागर किया।